Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part-II (H)
Paper-III
Date:- 25-9-20
Do-Next-class

Models of Psychology

~~Psypathalogies of everyday life~~

Psychopathalogies of everyday life

दैनिक जीवन में मनोविकृतियाँ

(8) सांकेतिक क्रियाएं (Symptomatic acts):-

व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में कुछ ऐसी सांकेतिक क्रियाएं जैसे बैठे बैठे पैर हिलाना, कलम या पेंसिल के ऊपरी भाग को दाँत से दबाना, चाभी के गुच्छों को नचाना, भाषण देते समय किसी खास शब्द को बार बार दुहराना आदि करता है। इन सांकेतिक क्रियाओं का अर्थ तो व्यक्ति खुद भी नहीं जानता समझता है, परन्तु फ्रायड के अनुसार निश्चित रूप से इन हरकतों द्वारा अचेतन की दमित इच्छाओं का संकेत मिलता है। फ्रायड ने एक बार यह देखा की एक विवाहित महिला अपने उंगली से अंगूठी को बार बार निकालती थी तथा भीतर कर लेती थी। फ्रायड द्वारा पूछने पर कि वह ऐसा क्यों कर रही है, उसने कहा ऐसे ही। परन्तु विश्लेषण करने पर पता चला कि वह महिला अपनी पति को कुछ कारणों से तलाक (divorce) देना चाहती थी लेकिन सामाजिक एवं नैतिक कारणों से वह ऐसा करना उचित नहीं समझती थी। फ्रायड के अनुसार अंगूठी को उंगली से ~~निकालकर~~ खिसकाकर निकालने की क्रिया द्वारा पति

(2)

को परित्याग करने तथा पुनः उस अंगूठी को उंगली को भीतर करने की क्रिया द्वारा नैतिक एवं सामाजिक बंधनों के कारण पति को परित्याग नही करने के विचारों का संकेत मिलता है।

उपर्युक्त विवरण से यह स्पष्ट है कि हमारे सामान्य जीवन की गलातियाँ तथा या भूलें एवं गलतियों द्वारा अचेतन मन की अतृप्त इच्छाएं एवं विचारों विचारों की अभिव्यक्त होती है। अतः मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से दैनिक जीवन की ऐसी भूलें महत्वपूर्ण एवं सार्थक होती है।

End.